हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार 11 मई 2026

9 डॉ. नितिन योगाचार्य बने पतंजलि भारत स्वाभिमान ...

10 फतेहपुर के उपचुनाव में सीमा बनी नई सरपंच...

॥ तमसो मा ज्योतिर्गमय ॥
MR SCHOOL
Affiliated to CBSE
MITTERPURA | ATELI
A Name of Dedication, Hardwork and Sincerity
FOUNDATION / JEE / NEET COACHING with Aakash Faculty Experts
ADMISSION OPEN
Session 2026-27
MR SCHOOL Aakash Medical IIT-JEE Foundation
Aakash की FACULTY अब MR SCHOOL के साथ
MITTERPURA, NARNAUL (HR.)
9466945658, 9416903367
mrps530543@gmail.com www.mrpublicschool.com
NARNAUL ROAD, ATELI
8278085868, 9416903367
mrpsateli@gmail.com www.mrpsateli.in

सार्वजनिक स्थलों व मलेरिया पीड़ितों के घरों के आसपास फोगिंग कराने में जुटी विभागीय टीम

मलेरिया फैलने की आशंका पर अलर्ट स्वास्थ्य विभाग ने 15 दिनों में 13425 घरों के वाटर टैंक जांचे, 5 में मिला लारवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नांगल चौधरी

मौसम बदलते ही कूड़ा करकट में मच्छर पनपने लगे हैं। चिंतित स्वास्थ्य विभाग ने डोर टू डोर चेकअप अभियान शुरू कर दिया तथा घरों घरेलू वाटर टैंकों में मच्छरों के लारवे की जांच हो रही है। नांगल चौधरी सीएचसी के अंतर्गत विभिन्न गांवों में 13425 घरों की टंकियों, होद तथा अन्य जलभराव की जांच हुई, जिनमें सात टैंकों में लारवा होने की पुष्टि हुई है। विभाग ने पंचायत की मदद से तुरंत फोगिंग कराने के बाद परिवारों को नोटिस थमाया है। नोटिस में टंकियों को खाली करके सुखाकर दुबारा भरने की हिदायत है। आदेशों की पालना नहीं होने पर विभागीय कार्रवाई का अल्टीमेटम दिया गया है। आपको बता दें कि तापमान बढ़ते ही घरों में वाटर टैंक, होद, सार्वजनिक टंकियों व कूलरों की डिमांड बढ़ गई है। कूलरों व टैंकों की नियमित सफाई के आभाव में पानी में संक्रमण फैलने की आशंका हो गई है। बचाव के लिए नांगल चौधरी सीएचसी प्रशासन अलर्ट हो गया। इंचार्ज ने तत्परता पूर्वक 26 टीमों का गठन करके गांवों में नियमित रूप से चेकअप करने की जिम्मेवारी सौंपी है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बीते 15 दिनों में 13425 घरों के वाटर टैंकों को चेक किया है। लैब की रिपोर्ट में पांच घरों के टैंकों में मच्छरों का लारवा मिला है। रिपोर्ट मिलते ही विभागीय अधिकारी अलर्ट मोड में आए गए और आनन फानन में संबंधित गांवों में फोगिंग कराई गई है। विभागीय चिकित्सकों के मुताबिक बारिश के जलभराव में डेंगू का लारवा पनपने की प्रबलता बनी हुई है। बीते 10 से 15 दिनों से अस्पतालों में वायरल फीवर के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

नांगल चौधरी। गांव में बुखार पीड़ितों के रक्ता का सैंपल लेती विभागीय टीम। फोटो : हरिभूमि

संदेहास्पद मरीजों के ब्लड की जांच करने में जुटा विभाग

हेल्थ निरीक्षक धर्मबीर यादव ने बताया कि विभागीय टीम ने विभिन्न गांवों में 750 से अधिक संदेहास्पद मरीजों का ब्लड सैंपल लिया है। लैब में जांच करने के बाद सभी की रिपोर्ट नगेटिव होने की पुष्टि हुई है। उन्होंने बताया कि मई महीने तक गांव गांव जाकर बुखार पीड़ितों के ब्लड सैंपल लेने का शेड्यूल बनाया है। एएनएम व आशा वर्करों को प्रत्येक गांव में मोहल्ले वाइज जलभराव व मरीजों पर नजर रखने की हिदायत है।

सीएचसी में मलेरिया-डेंगू पीड़ितों के इलाज के पुख्ता प्रबंध

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के इंचार्ज डॉ. विकास टेकवानी ने बताया कि मलेरिया व डेंगू की रोकथाम के लिए टीम का गठन किया हुआ है। जोकि प्रत्येक गांव में जाकर घरों में वाटर टैंकए होद का निरीक्षण कर रहे हैं, जहां डेंगू का लारवा मिलेगा उन्हें नोटिस देकर टैंक को खाली कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि सीएचसी में मलेरिया, डेंगू के इलाज का पुख्ता प्रबंध है। मरीजों को दवाइयां व मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी।

खबर संक्षेप

कनीना में पार्क का उद्घाटन कल

कनीना। गाहड़ा रोड पर 12 मई को वाटर पार्क का उद्घाटन किया जाएगा। हनुमान यादव ने बताया कि इस दौरान भंडारे व निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। समारोह में समर्पणानंद महाराज मुख्य अतिथि होंगे। विशिष्ट अतिथि मनीष राव व एमडीयू रोहतक के प्रोफेसर एससी मलिक होंगे। मनोरंजन के लिए हरियाणवी लोक गायक कलाकार विकास पासोरिया रागनियों की प्रस्तुति देंगे। दिनेश यादव ने बताया कि शिविर का शुभारंभ डॉ. पवित्र राव करेगी।

अस्पताल में नवजात बच्चे की मौत पर लगाए आरोप

नारनौल। सरकारी अस्पताल में नवजात की मौत के बाद परिजनों ने स्टाफ पर लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए हैं। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है। पीड़ित पिता अटाली निवासी सतीश कुमार ने बताया कि वह शुक्रवार सुबह करीब 4:30 बजे अपनी पत्नी सोनाली को प्रसव के लिए नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे थे। जांच के दौरान डॉक्टरों ने बताया कि गर्भ में बच्चे ने लेटरिन रखी है और उसकी धड़कन भी सामान्य से कम है। परिजनों का आरोप है कि इसके बावजूद अस्पताल स्टाफ ने महिला की स्थिति को गंभीरता से नहीं लिया। परिवार का कहना है कि प्रसव पीड़ा के दौरान महिला लगातार दर्द से तड़पती रही और उसका पति बार-बार स्टाफ से मदद की गुहार लगाता रहा।

वर्षों से बनी जलभराव की समस्या दूर करने के लिए शुरू हुआ वाटर प्रूफिंग का काम

बहरोड़ रोड रेलवे 'अंडरपास की बदलेगी तस्वीर', स्थाई समाधान में जुटा रेलवे विभाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नारनौल

शहर के बहरोड़ रोड स्थित महिला कॉलेज के पास बने रेलवे अंडरपास में लंबे समय से बनी जलभराव की समस्या के स्थाई समाधान के लिए रेलवे विभाग अब गंभीरता से जुट गया है। वर्षों से ग्राउंड वाटर और लीकेज के कारण परेशानी झेल रहे लोगों को राहत देने के लिए रेलवे विभाग द्वारा अंडरपास में विशेष वाटर प्रूफिंग कार्य करवाया जा रहा है। इसके लिए फिलहाल अंडरपास के एक हिस्से को बंद कर मरम्मत का कार्य किया जा रहा है।

यह अंडरपास नारनौल शहर को बहरोड़ रोड से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण मार्ग है। इसके माध्यम से शहर के लोगों के अलावा गांव कोजिंदा, मंढाणा तथा राजस्थान के बहरोड़ क्षेत्र के दर्जनों गांवों के लोग दिन-रात आवागमन करते हैं, लेकिन लंबे समय से अंडरपास में जमीन से पानी रिसने और जलभराव की समस्या के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। बरसात के दिनों में तो स्थिति और अधिक खराब हो जाती थी, लेकिन सामान्य दिनों में भी अंडरपास के अंदर पानी जमा रहने से लोगों का निकलना मुश्किल हो जाता था। कई बार दोपहिया वाहन चालक पानी और कीचड़ के कारण फिसलकर गिर जाते थे। अंडरपास में बने गड्ढों में गिरने से लोगों के कपड़े खराब हो जाते थे और कई लोग चोटिल भी हो चुके थे।

नारनौल। अवरुद्ध पड़ा बहरोड रोड अंडरपास व लीकेज दरार में वाटर प्रूफिंग कैमिकल भरता मजदूर। फोटो : हरिभूमि

बार-बार करनी पड़ी थी शिकायतें

स्थानीय लोगों के अनुसार इस समस्या को लेकर कई बार रेलवे प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से शिकायत की गई थी। रेलवे विभाग द्वारा समय-समय पर अंडरपास में जमा पानी को निकालने के लिए इंजन और पंपों की व्यवस्था भी की गई, लेकिन यह केवल अस्थाई राहत साबित हुई। जमीन से लगातार पानी रिसने के कारण समस्या बार-बार दोबारा खड़ी हो जाती थी। अब लंबे समय बाद रेलवे विभाग ने इस समस्या के स्थाई समाधान की दिशा में काम शुरू किया जा रहा है। रेलवे विभाग द्वारा अंडरपास के एक हिस्से में करीब दो-तीन महीनों से मरम्मत कार्य किया जा रहा है। फिलहाल अंडरपास की एक साइड को पूरी तरह बंद कर दिया गया है और दूसरी साइड से सीमित आवागमन कराया जा रहा है। रेलवे विभाग द्वारा लीकेज वाली जगहों पर विशेष वाटर प्रूफिंग कैमिकल भरा जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह कैमिकल काफी महंगा और प्रभावी होता है, जो दरारों और रिसाव वाली जगहों को पूरी तरह सील कर देता है। इससे जमीन के अंदर से पानी के रिसाव की संभावना बेहद कम हो जाती है।

एकतरफ के अंडरपास में चलेगा एक महीने और काम

सूत्रों के अनुसार बंद किए गए हिस्से में अभी करीब एक महीने तक और वाटर प्रूफिंग का कार्य चलेगा। इसके बाद वहां बेस तैयार कर नई सड़क बनाई जाएगी, ताकि आवागमन सुचारु रूप से शुरू किया जा सके। जब एक तरफ का अंडरपास पूरी तरह तैयार हो जाएगा, तब दूसरी तरफ के हिस्से को बंद कर वहां भी इसी प्रकार वाटर प्रूफिंग और सड़क निर्माण का कार्य किया जाएगा। रेलवे विभाग का कहना है कि दोनों तरफ का काम पूरा होने के बाद अंडरपास को पूरी तरह खोल दिया जाएगा। इससे लोगों को लंबे समय से चली आ रही जलभराव और खराब सड़क की समस्या से राहत मिलेगी तथा सुरक्षित और सुगम आवागमन संभव हो सकेगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि रेलवे विभाग पहले ही इस दिशा में गंभीरता दिखाता तो लोगों को वर्षों तक परेशानी नहीं झेलनी पड़ती।

यह कहते हैं रेलवे अधिकारी

नारनौल के कई रेलवे अंडरपासों में जलभराव की समस्या थी, जिनमें से अधिकांश स्थानों पर समाधान किया जा चुका है। अब बहरोड़ रोड स्थित अंडरपास में स्थाई समाधान के लिए कार्य चल रहा है। इसे वाटर प्रूफिंग बनाया जा रहा है। रेलवे विभाग सभी अंडरपासों की समस्याओं को चरणबद्ध तरीके से दूर करने का प्रयास कर रहा है, ताकि लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और उनकी परेशानी समाप्त हो।

अधीक्षण अभियंता ने किया मौके का निरीक्षण

जलभराव से मुक्ति दिलाने के लिए सिंचाई विभाग ने तैयार की रूपरेखा

नारनौल। मौके का मुआयना करते अधिकारी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नारनौल

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं के स्थाई समाधान की दिशा में निरंतर समर्पित है। इसी कड़ी में हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव की विशेष सक्रियता के चलते खंड अटेली के गांव उनिंदा को दशकों पुराने बरसाती पानी के संकट से उबारने की तैयारी शुरू हो गई है।

गांव की भौगोलिक स्थिति और रेलवे लाइन के नीचे बनी पुलिया से आने वाले अनियंत्रित जलप्रवाह के कारण हर साल यहां की बस्ती टापू में तब्दील हो जाती थी, जिससे न केवल मकानों की नींव कमजोर हो रही थी, बल्कि जलभराव के कारण महामारी फैलने का भय भी बना रहता था। इस गंभीर समस्या को लेकर ग्राम पंचायत के प्रतिनिधिमंडल ने सरपंच शीशपाल यादव के नेतृत्व में पिछले दिनों स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव से भेंट की थी, जिस पर संज्ञान लेते हुए मंत्री ने सिंचाई विभाग को तुरंत कार्ययोजना बनाने के निर्देश जारी किए थे। सरकार की इसी जनहितैषी मंशा को धरातल पर उतारने के लिए सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता इंजीनियर अमित कुमार रघुवंशी ने विभाग की पूरी टीम के साथ सात मई को गांव उनिंदा का दौरा किया।

इस अवसर पर मौजूद सरपंच व ग्रामीणों की शिकायत को जायज पाते हुए उन्होंने स्वीकार किया कि बस्ती में घुसने वाला यह पानी जनजीवन के लिए बड़ा खतरा है। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता और उपमंडल अधिकारी को कड़े निर्देश दिए कि वे तत्काल प्रभाव से इस समस्या के निवारण हेतु तकनीकी एस्टीमेट तैयार करें।

ये रहे मौजूद

निरीक्षण के दौरान कार्यकारी अभियंता इंजीनियर संदीप नसीहर, उप मंडल अधिकारी इंजीनियर राजेश कुमार वर्मा, सरपंच शीशपाल यादव सहित ग्राम सचिव एवं पंचायत सदस्य भी मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़ कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने दिया धरनारत कर्मचारियों को समर्थन

हरिभूमि न्यूज ▶▶। महेंद्रगढ़

रविवार को जिला कांग्रेस अध्यक्ष सत्यवीर यादव झूकिया नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा एवं अग्नि मिशन कर्मचारियों द्वारा चलाए जा रहे अनिश्चितकालीन धरने में पहुंचे और कांग्रेस पार्टी की ओर से उन्हें समर्थन दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आगामी 14 मई को नारनौल मुख्यालय पर कांग्रेस पार्टी की तरफ से कर्मचारियों के समर्थन में जिला उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा जाएगा तथा उनकी जायज मांगों को मानने की मांग की जाएगी। सत्यवीर झूकिया ने कहा कि दोनों विभागों के कर्मचारियों की मांगें पूरी तरह जायज हैं, लेकिन सरकार मूकदर्शक बनी बैठी है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में धरना और प्रदर्शन करना कर्मचारियों का अधिकार है, लेकिन जब सरकार उनकी समस्याओं पर ध्यान नहीं देती तो यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने कर्मचारियों की मांगों पर जल्द संज्ञान नहीं लिया तो कांग्रेस पार्टी हरियाणा स्तर पर कर्मचारियों के समर्थन में बड़ा आंदोलन करेगी।

झूकिया ने आरोप लगाया कि भाजपा सत्ता में आने से पहले कर्मचारियों से बड़े-बड़े वादे करती थी, लेकिन सत्ता में आने के बाद कर्मचारियों की जायज मांगों को नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में बड़ा अंतर है तथा सरकार कर्मचारी, व्यापारी, किसान और युवाओं सहित हर वर्ग को गुमराह करने का कार्य कर रही है।

महेंद्रगढ़। नपा सफाई कर्मचारियों के धरने में भाग लेते हुए। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर उनके साथ संगठन महासचिव मंजीत यादव एडवोकेट सुमेर सिंह चेयरमैन प्रदीप यादव प्रोफ़ेसर राजवीर यादव अनिल डागर जितेंद्र चोटी भगवान सिंह गीता देवी वीरभान कृष्ण कुमार इत्यादि मौजूद रहे।

कामयाबी — फरीदकोट से दबोचा दूसरा मास्टरमाइंड, नकदी व अहम दस्तावेज बरामद

शेयर बाजार में करोड़ों के मुनाफे का झांसा देकर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का दूसरा आरोपित पंजाब से गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नारनौल

शेयर बाजार में करोड़ों रुपये के मुनाफे का झांसा देकर लाखों की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए साइबर क्राइम थाना पुलिस ने मामले में दूसरे आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस टीम ने नौ मई को पंजाब के फरीदकोट से हरीश नामक आरोपित को दबोचा है। इससे पहले पुलिस ने छह मई को मध्य प्रदेश के ग्वालियर से गिरोह के एक अन्य अहम सदस्य पंकज को गिरफ्तार किया था।

गिरफ्तार किया गया आरोपित हरीश अपने जानकारों व रिश्तेदारों के नाम पर बैंक खाते खुलवाकर उनमें ठगी की रकम मंगवाता था। इसके बाद वह चेक या एटीएम के जरिए पैसे निकालकर अपना कमीशन रख लेता था और बाकी रकम आगे अन्य खातों में ट्रांसफर कर देता था। पुलिस ने हरीश के पास से 125000 रुपये नकद, 15 चेकबुक, छह एटीएम कार्ड, सात पासबुक, चार मोबाइल फोन, चार सिम कार्ड व 2 मोहरों सहित कई अहम दस्तावेज बरामद किए हैं। आरोपित को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है, ताकि गिरोह के अन्य सदस्यों की जानकारी जुटाकर पूरे नेटवर्क को ध्वस्त किया जा सके।

पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि गांव झूक निवासी सुन्दर कुमार की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। जिससे शेयर बाजार में निवेश के नाम पर करीब 14.26 लाख रुपये की साइबर ठगी की गई थी। एक फर्जी ऐप डाउनलोड करवाकर पीड़ित से 22 दिसंबर 2025 से 11 मार्च 2026 के बीच अलग अलग खातों में 1426050 रुपये जमा करवा लिए। ठगों ने ऐप में 33 करोड़ रुपये से ज्यादा का फर्जी मुनाफा दिखाया और इस रकम को निकालने के लिए 10 प्रतिशत टैक्स के रूप में 3.34 करोड़ रुपये की ओर मांग की। आरोपित कई बैंकों में असिस्टेंट मैनेजर व सेल्स ऑफिसर जैसे पदों पर रह चुका पुलिस की तकनीकी व विस्तृत जांच में सामने आया था कि ठगी गई रकम में से 6.33 लाख रुपये ग्वालियर स्थित केकेवीआर कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड नामक एक फर्जी कंपनी के बैंक खाते में गए थे।

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित। फोटो : हरिभूमि

96 लाख रुपये की ठगी की एफआईआर दर्ज

इस बैंक खाते के खिलाफ पूरे देश में आठ शिकायतें लंबित हैं और दिल्ली में 96 लाख रुपये की ठगी की एक एफआईआर भी दर्ज है। आगे की जांच में सामने आया के ठगी की राशि फरीदकोट के खाते में भेज दी गई थी। ग्वालियर से गिरफ्तार किया गया पहला आरोपित पंकज पूर्व में कई बड़े बैंकों में असिस्टेंट मैनेजर व सेल्स ऑफिसर जैसे पदों पर रह चुका है। उसने अपनी बैंकिंग जानकारी का गलत इस्तेमाल करते हुए जाली हस्ताक्षरों व फर्जी किरायेनामे के आधार पर यह फर्जी कंपनी और उसके बैंक खाते तैयार किए थे। फर्जी कंपनी के ऑनलाइन बैंकिंग कार्यों के लिए इस्तेमाल होने वाले सिम कार्ड भी पंकज के पास से बरामद हुए थे। फिलहाल पुलिस रिमांड के दौरान दोनों आरोपितों से गहनता से पूछताछ की जा रही है, ताकि इस गिरोह से जुड़े अन्य आरोपितों को जल्द पकड़ा जा सके।

चौपाल

खोखरा कोट

रोहतक शहर के मध्य बसे खोखरा कोट का इतिहास शताब्दियों पुराना है। खुदाई के दौरान यहां से 350 ई. पूर्व के प्राचीन अवशेष भी प्राप्त हुए हैं। इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को देखते हुए पुरातत्व विभाग ने इसे अपने अधीन ले रखा है। इतिहासकार बताते हैं कि योधेयों के नगर रहे खोखरा कोट में राजप्रणाली प्रजातंत्र की होती थी। इसका अंतिम शासक खोखर गोत्र का व्यक्ति था, जिसकी वजह से इसका नाम खोखरा कोट पड़ा। कोट का अर्थ किला होता है।

रागनियों में लोकाचार और सामाजिक मूल्य

हरियाणवी रागनियां मनोरंजन के साथ-साथ हमें सिखाती हैं कि कैसे विपरीत परिस्थितियों में धैर्य रखना है, कैसे संबंधों की पवित्रता को बनाए रखना है और कैसे लोकाचार और सामाजिक मूल्यों का यह समन्वय ही हरियाणवी संस्कृति को विशिष्टता प्रदान करता है।

लोक संस्कृति

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणवी जनमानस की रगों में जो संस्कृति और दर्शन प्रवाहित होता है उसका सबसे मुखर और प्रमाणिक दस्तावेज हैं हरियाणवी रागनी। यह केवल मनोरंजन का साधन मात्र नहीं हैं बल्कि यह उस सामाजिक ताने-बाने, नैतिकता, लोक-व्यवहार और जीवन-दर्शन का निचोड़ हैं जिसे सदियों से हरियाणा के ग्रामीण आंचल ने जिया है।

जब हम हरियाणवी रागनियों में लोकाचार और सामाजिक मूल्य का अध्ययन करते हैं तो पाते हैं कि हरियाणवी लोक-कवियों और सांगी कलाकारों ने समाज के हर सूक्ष्म पहलू को अपनी लेखनी से छुआ है। चाहे वह मित्रता की मर्यादा हो, गरीबी का दंश हो, भक्ति का मार्ग हो या पारिवारिक रिश्तों की कड़वाहट और मिठास। लोकाचार का अर्थ है, वह व्यवहार जो समाज में प्रचलित हो और जिसे नैतिकता की कसौटी पर परखा गया हो। हरियाणा की माटी के इन लोक-कवियों ने अपनी रागनियों के माध्यम से समाज को आईना दिखाने का काम किया है। इन रचनाकारों ने ग्रामीण परिवेश की शब्दावली में उन गूढ़ रहस्यों को प्रकट किया है, जिन्हें समझने के लिए बड़े-बड़े ग्रंथों की आवश्यकता पड़ती है। लोकाचार में सत्य की महिमा सर्वोपरि है, लेकिन सत्य का मार्ग कितना कठिन है और मानवीय स्वभाव में अविश्वास की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसका सजीव चित्रण बाजे भगत की लेखनी में मिलता है।

साची बात कहण म्हं सखी होया करै तकरार
दगाबाज बेरहम बहन ना मरदां का इतवार
धन माया के बारे म्हं किसे बिरले तै दिल डाट्या जा सै
जो तनै दे दिया राज दान म्हं, मेरे तै के नाट्या जा सै

यहां कवि ने न केवल सामाजिक तकरार की बात की है, बल्कि बिरले व्यक्तियों के माध्यम से उस ऊंचे चरित्र की ओर संकेत किया है जो मोह-माया से मुक्त है। सामाजिक मूल्यों में वचन और दान की महत्ता को बाजे भगत सर्वोपरि मानते हैं।

समाज में आर्थिक स्थिति और मानवीय संबंधों के अंतर्संबंधों पर जब हम विचार करते हैं, तो पं. मांगे राम का दर्शन एक कठोर सत्य बनकर उभरता है। हरियाणा के लोक साहित्य में दरिद्रता को केवल भौतिक अभाव नहीं माना गया, बल्कि इसे समस्त दुखों की जननी और रिश्तों के बिखराव का कारण बताया गया है। मांगे राम के शब्दों में लोकाचार का यह पक्ष अत्यंत मर्मस्पर्शी है :

टोट्टे आळे माणस का पिया नहीं किसे संग प्यार रहै
मां का जाया दुश्मन बणज्या हरदम खाए खार रहै
बोल में बोल मिलै ना किसे का न्यू घर म्हं तकरार रहै
काम म्हं बरकत कती नहीं जब धुर तै पाटी सार रहै

लोककवि मांगे राम यहां गरीबी के उस मनोविज्ञान को पकड़ रहे हैं, जहां अभाव में मनुष्य का स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है और सगे भाई-बंधु भी दूरी बना लेते हैं। यह लोकाचार का वह यथार्थवादी पक्ष है जो समाज को आर्थिक रूप से सशक्त होने और स्वाभिमान के साथ जीने की प्रेरणा देता है। वे सामाजिक मूल्य के रूप में आत्मसम्मान को जीवन से भी ऊंचा स्थान देते हैं।

धर्म और पाखंड के बीच की महीन रेखा को समझना भी लोकाचार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। मुंशी राम जांडली उन ढोंगी लोगों पर प्रहार करते हैं जो केवल शब्दों का जाल बुनकर समाज को गुमराह करते हैं। उनकी दृष्टि में दिखावटी ग्रंथ रचना की अपेक्षा लोक-कल्याण ही वास्तविक धर्म है :

घरां बैठ के ग्रंथ बणा ले झूठ चलावण लागे
जीभ चटोरे ऊत लुटेरे जाल फैलावण लागे

इस कटाक्ष के समानांतर जब हम मेहर सिंह की रचना को देखते हैं, तो हमें धर्म का वास्तविक और सकारात्मक पक्ष दिखाई देता है। मेहर सिंह के अनुसार धर्म कोई बंधन नहीं, बल्कि वह प्रकाश है जो मनुष्य के भीतर के अंधकार को मिटाता है :

नजर फला कै देख लिए नित पेड़ धर्म का फलता है
सत का तेल घलै दीपक मैं तो ज्ञान उजाला जलता है
धर्म के फंदे मैं फंस कै मन नहीं हिलाया हिलता है
अच्छी शोभत वाले को पिया अच्छा ही फल मिलता है

मेहर सिंह यहां संदेश देना चाहते हैं कि सत यानी सत्य का आचरण ही वह तेल है जिससे ज्ञान का दीपक प्रज्ज्वलित रह सकता है।

मानवीय स्वभाव की कोमलता और अटूट विश्वास की बात करते हुए रामकिशन व्यास ने जो उदाहरण दिए हैं, वे लोक-बुद्धि की पराकाष्ठा हैं। वे समझाते हैं कि कुछ चीजें जीवन में इतनी नाजुक होती हैं कि एक बार की लापरवाही उन्हें सदैव के लिए नष्ट कर सकती है :

मन मौती और दुध बताया इनका एक सुभा से
पाटे पिछे फेर मिले ना यो कुदरत का न्या सै

यह उपमा लोकाचार की उस मर्यादा को स्थापित करती है, जहां व्यक्ति को अपने शब्दों और आचरण के प्रति अत्यंत सजग रहना चाहिए। मन का फटना समाज में अविश्वास की खाई पैदा करता है जिसे फिर कभी भरा नहीं जा सकता। यहां विश्वास को सबसे बड़े सामाजिक मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है।

पंडित लखमीचंद, जिन्हें हरियाणा का सूर्य कवि कहा जाता है, उन्होंने मित्रता की आड़ में छिपे पाखंड और स्वार्थ को अत्यंत स्पष्टता के साथ चित्रित किया है। उनकी दृष्टि में मित्रता एक तपस्या है, लेकिन कलयुगी समाज में इसे केवल स्वार्थ सिद्धि का साधन बना लिया गया है :

नई-नई यारी लागै प्यारी दोष पाछले ढक ले
मतलब खात्यर यार बणें फेर थोड़े दिन में छिक ले
नहीं जाणते फर्ज यार का पाप पंक में पक ले
कैं तैं खाज्यां धन यार का ना बाहण बहू नै तक ले
करें बहाना यारी का इसे यार बणे हांडे सैं

लखमीचंद की यह चेतावनी समाज के नैतिक पतन की ओर इशारा करती है। वे उन मर्यादाओं की याद दिलाते हैं, जहां मित्र के परिवार को अपना परिवार समझा जाता था। यहां शुद्ध आचरण और

विभिन्न लोक-कवियों की कुछ रागनियों के सन्दर्भों के समग्र विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि हरियाणा का लोक-साहित्य केवल मनोरंजन मात्र नहीं है, बल्कि यह मानवीय जीवन को सुसंस्कृत बनाने वाली एक पाठशाला है।

निःस्वार्थ प्रेम जैसे सामाजिक मूल्यों पर बल दिया गया है।

सामाजिक विडंबनाओं और न्याय के अंतर्विरोधों पर हरिकेश पटवारी का चिंतन अत्यंत गहरा है। वे देखते हैं कि समाज अक्सर उन लोगों के प्रति निष्ठुर हो जाता है जो सीधे और सरल होते हैं :

शुद्ध स्वतंत्र संतोषी, महाकष्ट विपत भरते देखे
डूबे सुने तैराक बली, कायर के हाथ मरते देखे
चालबाज बदमाश मलंग से, बड़े-बड़े डरते देखे
शील संत और साधारण का, सब मखौल करते देखे

पटवारी जी इस रचना के माध्यम से उस कड़वी हकीकत को बयां करते हैं, जहां सज्जनता को कमजोरी का पर्याय मान लिया जाता है। लोकाचार का यह पक्ष हमें सोचने पर विवश करता है कि क्या हम वास्तव में गुणों का सम्मान करने वाला समाज बना पाए हैं?

पारिवारिक नैतिकता और माता-पिता के प्रति कर्तव्यों की जब बात आती है, तो ज्ञानी राम शास्त्री की रागनी एक कालजयी उपदेश बन जाती है। वे उस पाखंड को जड़ से मिटाने की बात करते हैं जो जीवित अवस्था में तिरस्कार और मृत्यु के पश्चात सम्मान का प्रदर्शन करता है:

मात पिता के मरे बाद आंसू टपकाकै के होगा
जिन्दें जी जूते मारे फेर फूल चढ़ाकै के होगा
कहणा मन्या नहीं कदे फेर तिलक लगणा ठीक नहीं
छुए कोन्या पैर कदे फेर शीश झुकाणा ठीक नहीं

यह रचना हरियाणा के उन मूल संस्कारों का प्रतिनिधित्व करती है, जहां पितृभक्ति को ही सबसे बड़ा तीर्थ माना गया है। लोकाचार का यह अनिवार्य हिस्सा है कि व्यक्ति अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहे, न कि कर्मकांडों के पीछे भागे। यह सामाजिक मूल्यों की आधारशिला है।

अंत में, विद्या और ज्ञान के अर्जन के लिए आवश्यक अनुशासन और विनम्रता पर निहाल चंद निहाल का दर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे स्पष्ट करते हैं कि ज्ञान कोई स्थिर वस्तु नहीं है, बल्कि यह निरंतर अभ्यास की मांग करता है :

मुख पै करूं सराहना इसकी, विद्या का नहीं ध्यान धरै।
ऐसी बुद्धि हो ज्यागी जैसे, बिन मांजी तलवार जरै।
बिना घमण्ड अभ्यास करे तै, विद्या का भण्डार भरै।
ऋषि मुनि कहते आवैं, अभिमान ज्ञान का नाश करै।

निहाल चंद निहाल की यह पंक्तियां समझाती हैं कि बुद्धि और विद्या को निरंतर मांजना पड़ता है, अन्यथा वे जंग लगी तलवार की तरह निष्प्रभावी हो जाती हैं। यहां विनम्रता और निरंतरता को बौद्धिक सामाजिक मूल्य के रूप में स्थापित किया गया है। विभिन्न लोक-कवियों की कुछ रागनियों के सन्दर्भों के समग्र विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि हरियाणा का लोक-साहित्य केवल मनोरंजन मात्र नहीं है, बल्कि यह मानवीय जीवन को सुसंस्कृत बनाने वाली एक पाठशाला है। भिन्न-भिन्न कालखंड में बाजे भगत से लेकर निहाल चंद निहाल जैसे सभी लोक-कवियों ने अपनी लेखनी के माध्यम से समाज को एक नैतिक दिशा देने का प्रयास किया है।

हरियाणवी रागनियां मनोरंजन के साथ-साथ हमें सिखाती हैं कि कैसे विपरीत परिस्थितियों में धैर्य रखना है, कैसे संबंधों की पवित्रता को बनाए रखना है और कैसे लोकाचार और सामाजिक मूल्यों का यह समन्वय ही हरियाणवी संस्कृति को विशिष्टता प्रदान करता है। जब तक ये स्वर गूंजते रहेंगे, समाज में नैतिकता और मानवीय मूल्यों की रक्षा होती रहेगी। यह आलेख इन महान लोक-कवियों की उस दूरदर्शिता को समर्पित है जिन्होंने लोक-भाषा में जीवन के गूढ़ रहस्यों को पिरोकर हमें सौंप दिया है ताकि हम अपनी जड़ों से जुड़े रह सकें और एक न्यायप्रिय व सुसंस्कृत समाज का निर्माण कर सकें।

रागिनी | शकुन्तला काजल 'शकुन'

दिल मैं वतन समाज्यागा

भारत की सेवा की जिस दिन, जन-जन कसम उठाज्यागा,
दुनिया के म्हाँ देश हमारा..सब तैं आगै आज्यागा..।

देशद्रोही और आतंकी, घणी कर चुके हैं नौटंकी!
मारे जां ये सारे सनकी दुश्मन भी भय खाज्यागा।
दुनिया के म्हाँ.........।

जात-पात न भाषा देखो, न धर्म के नाम तमाशा देखो !
देशप्रेम रस पी कै देखो-दिल म्हँ वतन समाज्यागा..
दुनिया के म्हाँ.............।

हीरे-मोती से अपणे टाबर, [redacted]-छोरी एक बराबर!
देवां संस्कार पावाँगे आदर मजा रै जीणै का आज्यागा...
दुनिया के म्हाँ........।

योग कर्म जग करणे लगज्या, हर घर की तस्वीर संवरज्या !
जग म्हँ विश्व गुरु का दर्जा-हट कै भारत पाज्यागा..
दुनिया के म्हाँ.........।

नवाचार की अलख जगावाँ, नवभारत निर्माण करावाँ!
जन-गन-मन सब मिल कै गावाँ-राष्ट्र ध्वज इतराज्यागा..!
दुनिया के म्हाँ देश हमारा सब तैं आगै आज्यागा. ..!!!

रागिनी | त्रिलोक चंद फतेहपुरी

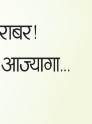

नुगरे नाग

देश मैं पळ रहे नुगरे नाग ।
मार रहे फुंकाड़ वो जालिम उगल रहे हैं आग ।

कुछ काळै कुछ चितकबरें से
पिवण सॉंप की ज्यूँ बिफरे से
कुंडली मार के बैठे हैं कई
इधर-उधर को बिखरे से
निर्दोषों कै डंक मार कै , फोड़ रहे हैं भाग ।
देश मैं पळ रहे नुगरे नाग !!

कई लांबे , कई मोटे -मोटे
नोंच -नोंच कै खावै बोटें
चादर ओढ़े भळ मणसी की
मन के उजले कर्म हैं खोटे
उनकी चालबाजियों से ही , उजड़े कई सुहाग ।
देश मैं पळ रहे नुगरे नाग !!

कई पिलपिले मगर हठीले
लांबी पूँछ अर दॉंत नुकीले
मार - मार फण कर दें बेदम
वे बेरहम बड़े जहरीले
जहर उगल कर बुझा रहे हैं , जलते हुए चिराग ।
देश मैं पळ रहे नुगरे नाग !!

कुछ फणधारी कुछ मणीधारी
धन बल , छल बल के भंडारी
बदल - बदल कर अपणी केंचुली
लूट रहे हैं दौलत म्हारी
कर ले बंद पिटारी में उन्हें , ओ त्रिलोकी जाग ।
देश मैं पळ रहे नुगरे नाग !!

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

पहनावा | **कला और सौंदर्य के गहरे पारखी थे हमारे पूर्वज, प्रदेश की अमूल्य विरासत के संरक्षण की शिद्दत से दरकार**

आभूषणों में सिमटी गौरवशाली हरियाणवी विरासत

श्रृंगार | सरिता

हरियाणा की पावन धरा अपनी वीरता और कृषि प्रधान संस्कृति के साथ-साथ अपने अद्वितीय पहनावे और आभूषणों के लिए भी सारी दुनिया में एक विशेष पहचान रखती है।

यहां की माटी का सोंधापन यहां की महिलाओं के आभूषणों में भी झलकता है। हरियाणवी आभूषण केवल स्वर्ण या रजत के निर्जीव टुकड़े न होकर हरियाणवी लोक-जीवन, रीति-रिवाजों और पूर्वजों की कलात्मक सोच का जीवंत साक्ष्य हैं। यदि हम हरियाणवी देहात के पुराने संदूकों की धूल झाड़कर उन्हें खोलें, तो उनमें से ऐसी शिल्पकारी निकलती है जो आज के दौर के आधुनिकतम ज्वेलरी डिजाइनों को भी मात देने की क्षमता रखती है। यह आभूषण यहां की नारी के स्वाभिमान, उसके सुहाग की लंबी आयु और परिवार की संपन्नता के मौन उद्घोषक रहे हैं। हरियाणवी महिला के श्रृंगार की यात्रा मस्तक से आरंभ होकर पैरों की उंगलियों तक एक शास्त्रीय क्रम में चलती है। मस्तक का सबसे गौरवशाली आभूषण बोरला रहा है। लट्टू के आकार का यह गहना सुहाग का प्रतीक होने के साथ-साथ चेहरे को एक विशिष्ट सौम्यता प्रदान करता है। प्राचीन समय में इसके साथ कोड़ी और जूड़ा जैसे आभूषणों का प्रयोग बालों को सहेजने के लिए किया जाता था। माथे पर सुशोभित शीशफूल और विशेष रूप से प्राचीन काल में प्रचलित मुख का छाज चेहरे की आभा को इस प्रकार ढकते और उभारते थे कि देखने वाले को राजसी वैभव का बोध होता था। माथे पर सिंदूरी बिंदी और आंखों में दीये की लौ से पाड़ी गई स्याही यानी काजल

की गहरी धार, ग्रामीण सौंदर्य को एक नया आयाम देती थी। कानों में पहने जाने वाले डाण्डे, बुजनी, और करणफूल न केवल कान की शोभा बढ़ाते थे, बल्कि सोने के बुन्दे और झुमकों की झंकार खेतों में काम करते समय भी एक लयबद्ध मधुरता घोलती थी। नाक में पहनी जाने वाली बड़ी नथ और छोटी लौंग या कोका सुहागिन स्त्री के मुख मंडल पर चमक बिखेरते थे। गले के आभूषणों की बात करें तो यहां की विविधता चकित कर देने वाली है। पुराने समय में हंसली का बहुत महत्व था, जो चांदी का एक ठोस और भारी गोलाकार आभूषण होता था। इसके अतिरिक्त झालरा, जो चांदी के सिक्कों की एक लंबी लड़ी होती थी, ग्रामीण महिलाओं का सबसे प्रिय आभूषण रहा है। यह झालरा छाती पर लहराते हुए एक विशेष प्रकार का संगीत पैदा करता था। हरियाणवी लोकगीतों और रागिनियों में वर्णित गलश्री, जुगनी और कण्ठी जैसे आभूषण नगीनेदार सुंदरता के पर्याय रहे हैं। चम्पा कली की बहार और सीने पर पड्या हुआ जंजीरा चोंकी वाला हार उस समय के सामाजिक रसूख और वैभव को दर्शाता था। मटर माला और गुल्बन्द जैसे आभूषण मखमल के कपड़े पर सोने की टिकियों को जड़कर तैयार किए जाते थे, जो गले से सटे रहकर सौंदर्य को दोगुना कर देते थे।

हाथों और बांहों के श्रृंगार में हरियाणा का कोई सानी नहीं है। यहां बांह के ऊपरी हिस्से पर पहने जाने वाले बाजूबन्द, सितोल और बाजू चौंक जैसे भारी आभूषणों का चलन रहा है। टाड़, जो चांदी का एक अत्यधिक भारी और ठोस कड़ा होता था, महिला के धैर्य और सामर्थ्य का भी प्रतीक था। कलाई पर सजे गजरे, पोंहची, परीबन्द और चूड़ियों का रंग निराला ही होता था। कांगनी और तिरैया जैसे आभूषण हाथों की उंगलियों तक एक प्रवाह बनाते थे। विशेष रूप से आरसी, जो अंगूठे में पहनी जाने वाली एक अंगूठी होती थी और जिसमें एक छोटा दर्पण जड़ा होता था, घूंघट प्रथा के उस दौर में महिला के लिए अपना मुख और पीछे का दृश्य देखने का एक चतुर और सुंदर माध्यम थी। हथफूल की लड़ियां जब हथेली के पीछे सजती थीं, तो वह किसी शिल्पकला के नमूने जैसा प्रतीत होता था। कमर का सबसे महत्वपूर्ण आभूषण तगड़ी है, जिसे करधनी भी कहा जाता है। चांदी की बनी यह भारी तगड़ी जब घाघरे के ऊपर बांधी जाती थी, तो वह शरीर के संतुलन को बनाए रखने के साथ-साथ कमर की सुंदरता को भी उभारती थी। तगड़ी के साथ लटकता तालियों का गुच्छा और चांदी का बाजणा नाड़ा चलते समय एक विशेष धमक पैदा करता था। पैरों के आभूषणों में तो जैसे पूरा लोक-संगीत ही सिमट आता था। चांदी की भारी झांझर, नेवरी और रमझोल की झंकार जब गलियों में गूंजती थी, तो ऐसा लगता था मानो सावन की फुहारें बरस रही हों। पैरों की उंगलियों में सुशोभित बिछुए और चुटी सुहाग का अटूट हिस्सा माने जाते थे।

आधुनिक युग में समय की गति के साथ पहनावे और आभूषणों की पसंद में बड़ा परिवर्तन आया है। मशीनी युग के हल्के आभूषणों ने इन भारी और ठोस हस्तनिर्मित कलाकृतियों की जगह ले ली है। यह समझना अनिवार्य है कि ये आभूषण केवल सजावट की वस्तुएं नहीं हैं, बल्कि ये हमारी सांस्कृतिक पहचान की जड़ें हैं। ये हमें बताते हैं कि हमारे पूर्वज कला और सौंदर्य के कितने गहरे पारखी थे। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपनी इस अमूल्य विरासत का संरक्षण करें।

सिनेमा बिजनेस नहीं, सामाजिक जिम्मेदारी : वारिस

कलाकार | डॉ. तबस्सुम जहां

वारिस इब्न फ़ारूक़ मेवात में जन्मे एक फ़िल्म निर्देशक हैं। इनका परिवार तब्लीगी जमात से ताल्लुक रखता है और जिस वातावरण से वे आते हैं, वहां फ़िल्मी दुनिया में जाना सकारात्मक नहीं माना जाता। वारिस का बचपन से ही सिनेमा के प्रति लगाव था। उन्होंने अपने बड़े भाई से प्रेरित होकर डीवीडी के ज़माने से ही हॉलीवुड की फ़िल्में देखना शुरू किया।

मदरसे में पढ़ाई के साथ-साथ उनका मन सिनेमा की ओर आकर्षित हुआ, लेकिन परिवार की उम्मीदों और डर ने उन्हें इससे दूर रखा। उन्होंने लॉ की पढ़ाई की, लेकिन अंदर से सिनेमा की चाह खत्म नहीं हुई। एक दोस्त के ज़रिये उन्हें एक अवसर मिला और उन्होंने अपने परिवार को बिना बताए सुपवा में एडमिशन लिया और फ़िल्म निर्माण इंडस्ट्री में कदम रखा। धीरे-धीरे उनके परिवार को उनकी गतिविधियों का पता चला, जिससे उनका परिवार बेहद नाराज़ हो गया। वारिस ने अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश जारी रखी। उन्होंने अपनी यात्रा को एक साहसिक कदम के रूप में देखा, जिसमें उन्होंने कई बाधाओं का सामना किया। शुरुआत में उन्हें डायरेक्शन और एडिटिंग का ज्ञान नहीं था, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने वहां साउंड और सिनेमैटोग्राफी के बारे में सीखा। उन्होंने सुपवा में शॉर्ट फ़िल्म बनाई, जो कुछ

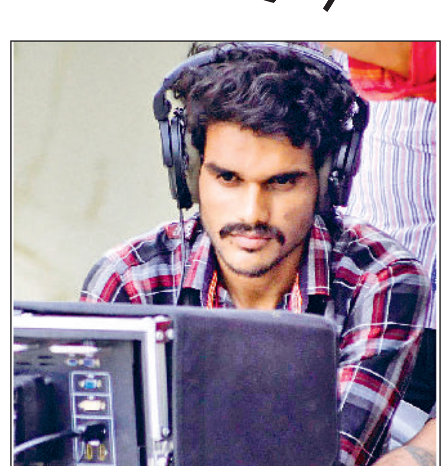

फेस्टिवल्स में पहचानी गई, जिसमें इस्लामोफ़ोबिया पर आधारित एक फ़िल्म भी शामिल थी। इस प्रक्रिया में उनके परिवार का समर्थन महत्वपूर्ण रहा। वारिस का पहला प्रोजेक्ट 'वन्स अपॉन ए टाइम इन कॉफी शॉप' इस्लामोफ़ोबिया पर आधारित था, जिसमें हास्य और संदेश का मिश्रण था। इस प्रोजेक्ट को विभिन्न स्थानों पर मान्यता मिली, जिसमें इटली में एक लाइव इंटरव्यू शामिल था। इसके बाद उन्होंने अन्य फ़िल्मों जैसे 'क़रीन' और 'ज़रक' का निर्माण किया। कॉलेज में उन्हें दो डिग्री फ़िल्म बनाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। वारिस वर्तमान हरियाणवी सिनेमा पर चर्चा करते हुए बताते हैं कि यह सिनेमा अभी शुरुआती दौर में है, इसलिए इसकी आलोचना करने के बजाए इसे समझने की ज़रूरत है। अब धीरे-धीरे फ़िल्मों में सुधार आ रहा है और "दादा लखमी" जैसी फ़िल्में बेहतर तरीके से बन रही हैं। फिर भी हरियाणा में कम बजट और कलाकारों के शोषण की समस्या है, जिससे उन्हें समय पर भुगतान नहीं मिलता। इसके बावजूद हरियाणा में काफ़ी प्रतिभा है और भविष्य में सिनेमा के बेहतर होने की उम्मीद है। वारिस ने हरियाणा स्टेज के साथ तीन प्रमुख प्रोजेक्ट्स पर काम किया है—वेब सीरीज़ "मेवात" (लेखक-निर्देशक), फीचर फ़िल्म "अंडा गैंग" (निर्देशक) और डॉक्यूमेंट्री "ऑपरेशन मेवात" (एसोसिएट डायरेक्टर)। उन्होंने यशपाल शर्मा के साथ इंडिपेंडेंट फ़िल्म "रावण" भी बनाई है, जो जल्द ही एक अच्छे प्लेटफ़ॉर्म पर रिलीज़ होने वाली है। इसके अलावा वे डी.डब्ल्यू. न्यूज़ और अल जज़ीरा जैसे अंतरराष्ट्रीय न्यूज़ चैनलों के लिए कई डॉक्यूमेंट्रीज़ बना चुके हैं। उन्हें "मेवात" के लिए बेस्ट

वारिस का पहला प्रोजेक्ट 'वन्स अपॉन ए टाइम इन कॉफी शॉप' इस्लामोफ़ोबिया पर आधारित था, जिसमें हास्य और संदेश का मिश्रण था। इस प्रोजेक्ट को विभिन्न स्थानों पर मान्यता मिली, जिसमें इटली में एक लाइव इंटरव्यू शामिल था।

डायरेक्टर और "मिराज" व "वन्स अपॉन ए टाइम इन कॉफी शॉप" जैसी शॉर्ट फ़िल्मों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार मिल चुके हैं। सरकार हरियाणा में जो फ़िल्म पॉलिसी लेकर आई है, उस संदर्भ में वारिस बताते हैं कि यह एक सकारात्मक पहल है, लेकिन स्ट्रगलिंग फ़िल्ममेकर्स के लिए इसमें डायरेक्ट एक्सेस की कमी और नेटवर्क पर निर्भरता साफ़ दिखाई देती है। इसका लंबा और औपचारिक प्रोसेस समय और संसाधन दोनों की मांग करता है, जिससे काम की गति धीमी हो जाती है। इस पर निर्भर रहने के बजाय प्रोड्यूसर्स के साथ काम करना ज़्यादा व्यावहारिक और प्रभावी विकल्प है।

इनका मानना है कि आजकल रियलिटी और सामाजिक मुद्दों पर अधिक फ़िल्में बन रही हैं, लेकिन सामाजिक मुद्दों पर फ़िल्में बनाते समय बायस के कारण संतुलन खो जाता है और वे प्रोपेगेंडा जैसी लगने लगती हैं, जबकि सिनेमा में ज़िम्मेदारी और बैलेंस बेहद ज़रूरी है। उन्होंने बताया, "और सच कहूँ तो मैं खुद भी अभी तक वैसी फ़िल्म नहीं बना पाया हूं, जिस पर गर्व कर सकूं।" उनके शब्दों में- 'दादा लखमी' जैसी फ़िल्में न केवल मनोरंजन करती हैं, बल्कि संस्कृति और विरासत को ईमानदारी से सामने लाकर इंडस्ट्री को नई दिशा देने की क्षमता रखती हैं।' नए लोगों के बारे में वारिस का कहना है कि सिनेमा सिर्फ़ बिज़नेस नहीं, बल्कि एक सामाजिक ज़िम्मेदारी है, इसलिए जो भी बनाओ, उसे पूरी ईमानदारी और समझदारी के साथ बनाओ।

डॉ. नितिन योगाचार्य बने पतंजलि भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के जिला प्रभारी

योग, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा को जन-जन तक पहुंचाने की योजना तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। योगाचार्य डॉ. नितिन को बधाई देते हुए। फोटो : हरिभूमि

योग गुरु बाबा रामदेव की जन्मभूमि महेंद्रगढ़ जिले में योग व आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार को नई गति देने के लिए डॉ. नितिन योगाचार्य को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। पतंजलि विश्वविद्यालय से शिक्षित डॉ. नितिन योगाचार्य को पतंजलि भारत स्वाभिमान ट्रस्ट का नया जिला प्रभारी नियुक्त किया गया है। रविवार को आरोग्य वैलनेस सेंटर में पतंजलि परिवार महेंद्रगढ़ के जिला स्तरीय पदाधिकारियों के चयन हेतु बैठक आयोजित की गई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के हरियाणा राज्य प्रभारी ईश आर्य उपस्थित रहे। वहीं रेवाड़ी से आए रामनिवास बेनीवाल ने पर्यवेक्षक की भूमिका निभाई। बैठक में आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर गहन चर्चा की गई और योग-आयुर्वेद प्राकृतिक चिकित्सा तथा अन्य पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को जन-जन तक पहुंचाने की योजना तैयार की गई। सर्वसम्मति से नई समिति का गठन करते हुए डॉ. नितिन यादव योगाचार्य को जिला प्रभारी का दायित्व सौंपा गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ईश आर्य, रामनिवास बेनीवाल व पूर्व जिला प्रभारी निलेश मुद्गल ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को पटका पहनाकर सम्मानित किया। नवनियुक्त जिला प्रभारी डॉ. नितिन योगाचार्य ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभाएंगे। उनका लक्ष्य पूरे जिले में बाबा रामदेव के योग संदेश की अलख जगाना और लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम के दौरान स्लम टैलेंट एरिया से हन्नी गुप्ता व रीना को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

ये रहे मौजूद

इस गौरवशाली अवसर पर पतंजलि योग समिति प्रभारी जुगबीर, दयाराम रेवाड़ी, टाईगर क्लब से राकेश, सीपी संघी, ओमप्रकाश, रतन, अशोक, डॉ. भंवर सिंह कसाना, डॉ. धर्मवीर यादव, संदीप सलूनी, योगिनी जैस्मीन सरोज देवी आदि मौजूद रहे।

सरकारी कॉलेजों में योग की पढ़ाई नहीं : डॉ. धर्मवीर

नारनौल। पूरी दुनिया को योग की शक्ति से परिचित कराने वाले वैश्विक योग गुरु स्वामी रामदेव की जन्मभूमि के छात्र ही आज योग की उच्च शिक्षा के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। विडंबना यह है कि जिस माटी ने योग की अलख पूरी दुनिया में जगाई, वहां के सरकारी महाविद्यालयों में योग का एक भी डिग्री या डिप्लोमा कोर्स उपलब्ध नहीं है। नारनौल व आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के मेधावी, लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए योग में करियर बनाना एक बड़ी चुनौती बन गया है। यह बात डॉ. धर्मवीर योगाचार्य ने कही। उन्होंने कहा कि जिले के किसी भी सरकारी कॉलेज में बीए, बीएससी, एमए, एमएससी (योगा) या डिप्लोमा की सुविधा न होने के कारण विद्यार्थियों को ऋषिकेश, हरिद्वार या अन्य दूरदराज के राज्यों का रुख करना पड़ता है। बाहर रहकर पढ़ाई करने का खर्च उठाना हर किसी के बस की बात नहीं है, जिससे कई होनहार बच्चे इस क्षेत्र में आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। जिले के कुछ निजी कॉलेजों में योग स्नातक की पढ़ाई तो होती है, लेकिन उनकी फीस सामान्य विद्यार्थियों की पहुंच से बाहर है। सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि जिले के सरकारी महाविद्यालयों में अभी तक योग की पढ़ाई के लिए न तो पद सृजित किए गए हैं और न ही किसी स्थायी शिक्षक की नियुक्ति हुई है। स्थानीय लोगों व युवाओं का कहना है कि यदि सरकारी कॉलेजों में योग के विषय शुरू किए जाएं, तो युवाओं के लिए स्वरोजगार और स्वास्थ्य क्षेत्र में करियर के नए द्वार खुलेंगे। इससे योग शिक्षक, योग थेरेपिस्ट व स्पोर्ट्स कोच के रूप में युवाओं को रोजगार मिलेगा। क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों व योग प्रेमियों ने सरकार व उच्च शिक्षा विभाग से मांग की है कि आगामी शैक्षणिक सत्र से राजकीय महाविद्यालयों में योग के स्नातक व स्नातकोत्तर कोर्स शुरू किए जाएं।

खबर संक्षेप

पुरानी मंडी में गूंजे राधे नाम के जयकारे

नारनौल। प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 194वीं प्रभात फेरी पुरानी मंडी नजदीक जलमहल से निकाली गई। सर्वप्रथम मुख्य यजमान मनमोहन शर्मा, सुरेश शर्मा परिवार के सभी सदस्यों ने पवित्र ज्योति प्रज्वलित की। संगठन के कोषध्यक्ष संजय सैनी ने बताया कि प्रभात फेरी संगठन की ओर से राधा नाम संकीर्तन यात्रा मुख्य यजमान के निवास स्थान से शुभारम्भ होकर जलमहल, पुरानी मंडी के विभिन्न मार्गो से होकर मुख्य यजमान के निवास पर संपन्न हुई।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व पर आज भव्य कलश यात्रा

नारनौल। श्री सोमनाथ मंदिर के वर्तमान स्वरूप की प्राण प्रतिष्ठा के 75 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 11 मई को मनाए जाने वाले सोमनाथ स्वाभिमान पर्व को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सभी प्रकार की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। एसडीएम अनिरुद्ध यादव ने रविवार को तैयारियों का जायजा लिया। इस जिला स्तरीय कार्यक्रम में हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगी। वहीं विधायक ओमप्रकाश यादव व महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। महोत्सव की शुरूआत 11 मई को श्री गोपाल गोशाला के सामने स्थित श्री श्याम मंदिर से होगा।

रविदास मंदिर में मनाई महात्मा बुद्ध व डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती

संविधान की रक्षा और सामाजिक एकजुटता का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि देते हुए व कार्यक्रम में भाग लेते गणमान्य लोग। फोटो : हरिभूमि

शहर के रविदास मंदिर में रविवार दोपहर महात्मा बुद्ध एवं भारतरत्न संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती संयुक्त रूप से श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में सैकड़ों गणमान्य लोगों, महिलाओं और युवाओं ने भाग लेकर महात्मा बुद्ध एवं बाबा साहेब को श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम महंत बालकदास के आशीर्वाद से आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता रविदास महासभा के प्रधान बाबूलाल नारनौलिया ने की। समारोह में सामाजिक एकजुटता, संविधान की रक्षा और समाज के कमजोर वर्गों को साथ लेकर चलने पर विशेष जोर दिया गया। मुख्य वक्ता के रूप में हरियाणा अनुसूचित जाति/जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ के पूर्व प्रधान एवं पूर्व चीफ मैनेजर जयनारायण दुग्गल ने कहा कि समाज को तथागत बुद्ध के करुणा, अहिंसा और सेवा भाव के सिद्धांतों को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान के माध्यम से सभी वर्गों को समान अधिकार दिए हैं, इसलिए प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने दायित्वों का भी ईमानदारी से पालन करे। उन्होंने कहा कि समाज आज भी कई हिस्सों में बंटा हुआ दिखाई देता है और कुछ ताकतें वर्गों में विभाजन पैदा करने का प्रयास कर रही हैं। इससे भाईचारा और सामाजिक एकता कमजोर होती है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़े वर्गों ने वर्षों तक सामाजिक भेदभाव और शोषण का सामना किया है। ऐसे में सभी वर्गों को एकजुट होकर संविधान और सामाजिक समानता की रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने संविधान को बराबरी का अधिकार देने वाला महाग्रंथ बताते हुए इसकी रक्षा के लिए हमेशा संगठित रहने का आह्वान किया। वक्ताओं ने महात्मा बुद्ध और बाबा साहेब के जीवन, संघर्ष और विचारों पर प्रकाश डाला।

लोगों ने दिया अनुदान

इस अवसर पर पूर्व प्रधान जयनारायण दुग्गल ने 5100 रुपये तथा पूर्व एसडीओ रोहतास सिंह ने 1100 रुपये सभा को अनुदान स्वरूप प्रदान किए। श्रद्धांजलि सभा के बाद भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में महंत बालकदास, सुरेश पॉलिटेक्निक, सुरेंद्र महल, यशवंत यादव, जगराम कालिया, रघुबीर सैनी, रामसिंह धाकड़, रतनलाल सुधाकर, अशोक कुमार, दर्शन जिलोवा, लाजपत सिरोहा, रामनिवास खींची, अशोक दास नारनौलिया, बीएसपी जिला प्रधान प्रमोद कटारिया, कुमारी खुशी सहित अनेक वक्ताओं ने संबोधित किया। इसके अलावा उमराव गोरा, सुधीर कुमार, सुभाष भारती, रघुबीर नारनौलिया, सुरेंद्र कुमार, कैलाश चंद नारनौलिया, मुन्नेलाल, रोहताश एसडीओ, सुरेश कुमार नारनौलिया, राजेंद्र कुमार, रामस्वरूप थानेदार, लेखराम, गोबिंद राम नारनौलिया, नरेश ढोसीवाल, दिग्विजय सिंह, मनोहर लाल, राधेश्याम, रमेश कुमार, पवन कुमार, लोकेश, रूपचंद, एडवोकेट भीमसिंह दहिया, दयानंद सांवरिया, कमल, मुकेश, दीपक, गोपाल, माधवदास, ओमप्रकाश, हरिसिंह रेवला, रोहताश हरियाणा रोडवेज सहित सैकड़ों गणमान्य पुरुष, महिलाएं और बच्चे उपस्थित रहे।

जूता-चप्पल सीलने वालों का भी करें ध्यान

कार्यक्रम में रिटायर्ड सूबेदार फूलसिंह ने कहा कि वे पिछले करीब 37 वर्षों से रविदास मंदिर के कार्यक्रमों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि समाज में सेवा भावना और भाईचारे की भावना मजबूत होनी चाहिए। बाबा साहेब की बदौलत समाज के अनेक लोग ऊंचे पदों तक पहुंचे हैं, लेकिन आज भी जूते-चप्पली सीलने वाला समाज का एक बड़ा वर्ग आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़ा हुआ है।

सरस्वती स्कूल में मातृ-पितृ सेवक बनने का दिया संदेश

नांगल चौधरी। सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मातृ दिवस के उपलक्ष्य में मां की ममता विषय पर भाषण व निबंध प्रतियोगिता का आयोजन प्राचार्या वंदना यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। जिसमें विजेता रहे विद्यार्थियों को संस्था के प्रबंधक निदेशक अमित यादव ने स्मृति चिह्न व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान विद्यार्थियों को बुजुर्गों की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि विभिन्न कक्षाओं के 250 विद्यार्थियों को नेताजी सुभाषचंद्र बोस, शहीद भगत सिंह, रानी लक्ष्मीबाई तथा वीर हकीकत राय हाउस में विभाजित करके प्रतियोगिता कराई गई है। विद्यार्थियों ने मां के त्याग, प्रेम, संघर्ष और जीवन में उनके महत्व को प्रभावशाली शब्दों में प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में नेताजी सुभाषचंद्र बोस हाउस को प्रथम स्थान मिला। शहीद भगत सिंह हाउस ने द्वितीय तथा रानी लक्ष्मीबाई हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं निबंध प्रतियोगिता में छात्राओं ने अपनी लेखन प्रतिभा से सभी को प्रभावित किया।

देवयानी स्कूल बेवल में मनाया मातृ दिवस

महेंद्रगढ़। देवयानी इंटरनेशनल स्कूल बेवल के विद्यार्थियों ने अंतरराष्ट्रीय मातृ दिवस मनाया। किड्स कक्षा से बच्चों ने ग्रुप डांस कर अपनी मां की वंदना की, दूसरी कक्षा से दिव्यांशी ने अपने साथियों के साथ मिलकर मां की आरती उतारते हुए नृत्य प्रस्तुत किया। तीसरी कक्षा से सानिया यादव, आरजू राव, रविना और अक्षिता ने कविता गाकर अपनी मां का गुणगान किया। चौथी कक्षा से प्राची और यष्टि यादव ने ग्रुप डांस कर सबको मंत्रमुग्ध किया। पांचवी कक्षा से रिया, राजश्री और दीपांश ने मां तुझे सलाम गीत गाकर अपनी मातृभूमि को याद किया। प्रज्ञा यादव, अंशिका राव, कामना यादव, नव्या, हनी, नैंसी, रिया और स्वरा यादव ने ग्रुप डांस किया। मिडिल कक्षा के सभी बच्चों ने अपनी मां के नाम सुंदर-सुंदर कार्ड बनाकर उपहार स्वरूप भेंट किया। अध्यापिका अनीता शर्मा ने अपने भाषण में बताया कि मां से बढ़कर इस दुनिया में कोई उपहार नहीं होता जो खुद धूप में खड़ी होकर हमें छांव देती है।

बच्चों के संस्कार, सफलता व व्यक्तित्व निर्माण में मां की महत्वपूर्ण भूमिका

द वेदांता इंटरनेशनल स्कूल में मदर्स डे मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। कार्यक्रम में भाग लेता स्कूल स्टाफ व बच्चे। फोटो : हरिभूमि

दा वेदांता इंटरनेशनल स्कूल में मदर्स डे समारोह उमंग व पारिवारिक वातावरण के बीच आयोजित किया गया। कार्यक्रम में माताओं, अभिभावकों व बच्चों की भारी उपस्थिति देखने को मिली। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. मेघा मित्तल व ओरिएंटल बैंक की डिप्टी मैनेजर कविता यादव ने दीप प्रज्वलन व मां सरस्वती के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया। विद्यालय प्रबंधन ने अतिथियों का स्मृति चिह्न व पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। चेयरमैन डॉ. विनोद कुमार यादव व प्राचार्य अनिल मुखीजा ने कहा कि मां बच्चों की पहली गुरु होती है और उनके संस्कार, सफलता व व्यक्तित्व निर्माण में मां की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

उन्होंने सभी माताओं के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए कहा कि मदर्स डे केवल एक उत्सव नहीं बल्कि मातृत्व के त्याग, प्रेम व समर्पण को सम्मान देने का दिन है। कार्यक्रम में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं ने समारोह को बेहद रोचक व मनोरंजक बना दिया। रैंप वॉक में माताओं ने आत्मविश्वास व आकर्षक प्रस्तुति से सभी का दिल जीत लिया, वहीं म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

एसडी स्कूल ककराला में शिक्षक अभिभावक बैठक

कनीना। रविवार को एसडी विद्यालय ककराला के प्रांगण में मदर्स डे मनाया गया। इस समारोह का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्या डॉ. शिप्रा सारस्वत ने किया। समारोह के दौरान बच्चों ने अपनी माताओं को समर्पित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इसके अतिरिक्त माताओं के लिए आयोजित नृत्य, गायनए खेल और विभिन्न रोचक गतिविधियों ने कार्यक्रम में उत्साह भर दिया। प्राथमिक अनुभाग की समन्वयक स्नेहा यादव ने वार्षिक पाठ्यक्रम की जानकारी साझा करते हुए बताया कि विद्यालय का मुख्य उद्देश्य खेलकूद और गतिविधि आधारित शिक्षा प्रदान करना है, जिसके चलते छात्र मनोरंजन के साथ प्रभावी ढंग से सीख सकें। उन्होंने बताया कि मदर्स डे के साथ विद्यालय में अभिभावक व अध्यापक बैठक का भी आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में अभिभावकों ने हिस्सा लिया। चेयरमैन जगदेव यादव ने माताओं का मातृ दिवस पर अभिनंदन किया। उन्होंने पीटीएम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षक और अभिभावक के बीच समय समय पर होने वाला संवाद ही बच्चों के लिए सही मार्ग चुनने का आधार है।

आरपीएस स्कूल में मातृ दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित माताएं। फोटो : हरिभूमि

रंगीन परिधानों से सुसज्जित माताएं, अपने बच्चों के साथ कदम से कदम मिलाकर मंच पर दमदार प्रस्तुति देने को बेताब और बैकग्राउंड में चमकती-दमकती लाइट्स के बीच गूंजती तालियों की गड़गड़ाहट। पंडाल में चारों तरफ 'वन्स मोर-वन्स मोर' का शोर... ऐसा ही अद्भुत और भावुक कर देने वाला नजारा आरपीएस विद्यालय के प्राइमरी विंग द्वारा मातृ दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित ममत्व कार्यक्रम में देखने को मिला।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यातिथि आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव के गरिमामयी आगमन के साथ हुआ। दीप प्रज्वलन के बाद उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि मां जीवन की प्रथम गुरु, सबसे बड़ी प्रेरणा और निस्वार्थ प्रेम का सर्वोच्च स्वरूप होती है। एक संस्कारित एवं सशक्त समाज की नींव मां के आदर्शों और मूल्यों पर ही टिकी होती है। उनके इन विचारों ने वहां मौजूद सभी माताओं और अभिभावकों को भावविभोर कर दिया। इस विशेष अवसर पर ग्रुप के सीईओ इंजी. मनीष राव ने कहा कि मां परिवार की धुरी होती है, जो निस्वार्थ भाव से पूरे परिवार को एकता के सूत्र में पिरोकर रखती है। डिप्टी सीईओ कुणाल राव ने बच्चों के जीवन में माताओं के अमूल्य योगदान की सराहना करते हुए उन्हें समाज का असली मार्गदर्शक बताया। कार्यक्रम के दौरान मंच पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की ऐसी अनूठी छटा बिखरी जिसने माताओं के इस दिन को हमेशा-हमेशा के लिए यादगार बना दिया। प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने अपने संबोधन में मां के त्याग, धैर्य और स्नेह को जीवन की सबसे अमूल्य शक्ति बताया और कार्यक्रम की सफलता पर सभी माताओं व अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

परिचर्चा महाराणा प्रताप भारतीय स्वाभिमान और राष्ट्रनिष्ठा के अमर प्रतीक : मधुर

प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट ने हल्दी घाटी के अमर नायक को किया नमन

महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। कार्यक्रम में महाराणा प्रताप को नमन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से राष्ट्र गौरव का प्रताप वर्तमान संदर्भ में महाराणा प्रताप की प्रासंगिकता विषय पर विचारोत्तेजक परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस संदर्भ में जानकारी देते हुए ट्रस्टी नरोत्तम सोनी व ओशिन शुक्ला ने बताया कि कार्यक्रम में क्षेत्र के शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकर्ताओं व गणमान्य व्यक्तियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता प्रख्यात आर्य विद्वान रामसिंह मधुर व सामाजिक कार्यकर्ता राकेश चौहान उपस्थित रहे। विशिष्ट वक्ता के रूप में पूर्व जिला बालकल्याण अधिकारी विपिन शर्मा व शिक्षाविद अमीचंद सैनी शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट अध्यक्ष डॉ. संजय शर्मा ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया, जिसमें उपस्थितजनों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रामनिवास मानव ने भी अपनी उपस्थिति दी। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता रामसिंह मधुर ने कहा कि महाराणा प्रताप भारतीय स्वाभिमान और राष्ट्रनिष्ठा के अमर प्रतीक हैं। उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। राकेश चौहान ने कहा कि आज के समय में महाराणा प्रताप का जीवन राष्ट्रभक्ति और दृढ़ संकल्प का संदेश देता है।

समाज में जागरूकता और प्रेरणा का कार्य

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि महाराणा प्रताप का जीवन राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की सीख देता है। ऐसे आयोजन समाज में जागरूकता और प्रेरणा का कार्य करते हैं।

डिजिटल जनगणना का प्रथम चरण प्रगति पर: प्रवक्ता धर्मसिंह

नारनौल। उपायुक्त के मार्गदर्शन व चार्ज अधिकारी नायब तहसीलदार की देखरेख में जिले में जनगणना का कार्य तेजी से किया जा रहा है। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रगणक धर्मसिंह ने बताया कि घरों की पहचान व नजरी नक्शा तैयार करने के बाद सभी प्रगणक व पर्यवेक्षक अपने अपने हाउस लिस्टिंग ब्लॉक में भवनों, जनगणना मकानों व परिवारों की जानकारी के साथ साथ मकान में विभिन्न सुविधाओं के आंकड़ों को जनगणना ऐप के माध्यम से डिजिटल पोर्टल पर दर्ज कर रहे हैं। डिजिटल जनगणना का प्रथम चरण सुचारू रूप से घर घर जाकर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश में पहली बार डिजिटल माध्यम से जनगणना का कार्य किया जा रहा है। इससे प्रगणकों व पर्यवेक्षकों का कार्य आसान हुआ है। इससे आंकड़े स्टीकता से दर्ज किए जा सकते हैं तथा आंकड़े सुरक्षित रहते हैं।

खोड़ में छबील लगाकर राहगीरों को पिलाया ठंडा जल

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव खोड़ में अष्टमी के पावन मौके पर ग्यारस माता मंदिर के समीप छोटे-छोटे बच्चों द्वारा छबील लगाकर राहगीरों को ठंडा जल पिलाया गया। इस गर्मी के बीच बच्चों की इस सेवा भावना ने सभी का मन मोह लिया और ग्रामीणों ने उनकी जमकर सराहना की। मंदिर के पुजारी जयपाल ने बताया कि अष्टमी के दिन छबील लगाई है, जिसमें गांव के बच्चों ने सहयोग किया है। सड़क किनारे स्टॉल लगाकर गुजरने वाले वाहन चालकों व राहगीरों को रोक-रोककर ठंडा जल पिलाया। तेज गर्मी में शीतल जल पाकर लोगों ने राहत महसूस की और बच्चों को आशीर्वाद दिया।

अग्निशमन कर्मियों ने लगातार 33वें दिन जारी रखा धरना

नपा आंदोलन जारी: कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, शहीद का दर्जा देने की मांग

सफाई कर्मचारियों ने हड़ताल के दौरान सरकार पर लगाया अनदेखी का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर नगर पालिका कर्मचारी संघ इकाई नारनौल की काम छोड़ हड़ताल शनिवार को लगातार 10वें दिन भी जारी रही। वहीं अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों ने भी अपनी मांगों को लेकर 33वें दिन धरना व हड़ताल जारी रखी। कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए मांगों के शीघ्र समाधान की मांग उठाई। नगर पालिका कर्मचारियों की हड़ताल की अध्यक्षता भूपेंद्र सिंह सरवन ने की, जबकि फायर कर्मचारियों के आंदोलन की अध्यक्षता गुरदयाल सिंह ने की। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि हरियाणा सरकार नगर पालिका और अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों की मांगों को लगातार नजरअंदाज कर रही है। सरकार की नीतियों से कर्मचारी वर्ग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि नगर पालिका कर्मचारी लंबे समय से अपनी जायज मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं।

नारनौल। धरने के दौरान नारेबाजी करते कर्मचारी।

बड़े स्तर के आंदोलन की चेतावनी

धरने में कर्मचारियों ने मांग की कि सभी कच्चे कर्मचारियों को तुरंत प्रभाव से पक्का किया जाए। इसके अलावा ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले फायर कर्मचारियों को शहीद का दर्जा देने, उनके परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता देने तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। कर्मचारी नेताओं ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार ने जल्द उनकी मांगों पर सकारात्मक फैसला नहीं लिया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। आने वाले दिनों में प्रदेश स्तर पर बड़े आंदोलन की रणनीति भी बनाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी अपने अधिकारों के लिए एकजुट हैं और मांगें पूरी होने तक संघर्ष जारी रहेगा।

किया एकता का प्रदर्शन

धरने के दौरान कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी एकता का प्रदर्शन किया। वक्ताओं ने कहा कि सरकार को कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए गंभीरता दिखानी चाहिए, ताकि नगर पालिकाओं और अग्निशमन विभाग में कार्यरत कर्मचारियों को राहत मिल सके। इस अवसर पर नगर पालिका कर्मचारी संघ के राज्य कैशियर महेंद्र सिंह सांगलिया, सर्व कर्मचारी संघ के राज्य नेता महेंद्र बोयत, जिला प्रधान कौशल यादव, नगर पालिका कर्मचारी संघ के जिला प्रधान राहुल सरवन, महावीर प्रसाद, सुरेश कुमार, कृष्ण कुमार, निरंजन लाल, भीम सिंह, रमाकांत, मनोज कुमार, राजेश कुमार, देवानंद, जसवंत, हरिओम, लीलाराम, दिनेश, प्रदीप, आशीष, आकाश, रविकांत, राकेश, मनोज सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

पूर्व सरपंच मोनिका के इस्तीफे के बाद हुआ था चुनाव,शिक्षिका पद के कारण छोड़ा था पद

गांव फतेहपुर के उपचुनाव में सीमा बनी नई सरपंच, 157 वोटों से दर्ज की जीत

चुनाव में 79.5 प्रतिशत लोगों ने किया मतदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

अटेली खंड के गांव फतेहपुर में रविवार को पंचायत उपचुनाव शांतिपूर्ण निष्पक्ष और उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। इस चुनाव में दो महिला प्रत्याशियों सीमा और सुमन के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जिसमें सीमा ने सुमन को 157 वोटों के अंतर से हराकर सरपंच पद पर कब्जा जमाया। परिणाम घोषित होते ही गांव में खुशी की लहर दौड़ गई और समर्थकों ने जश्न मनाया। गौरतलब है कि फतेहपुर में यह उपचुनाव पूर्व सरपंच मोनिका के इस्तीफे के कारण कराया गया था। शिक्षिका पद पर चयन होने के बाद मोनिका को अपना पद छोड़ना पड़ा जिससे यह सीट रिक्त हो गई थी। नई मतदाता सूची के अनुसार गांव में कुल 1245 मतदाता थे, जिनमें 646 पुरुष और 601 महिला मतदाता शामिल हैं। चुनाव में कुल 991 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जो लगभग 79.5 प्रतिशत मतदान दर्शाता है। इनमें 500 पुरुष और 491 महिला मतदाता शामिल रहे, जो महिलाओं की मजबूत भागीदारी को दर्शाता है। मतदान प्रक्रिया रविवार सुबह आठ बजे शुरू हुई। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर लंबी कतारें देखने को मिलीं। युवा, बुजुर्ग और महिलाएं सभी लोकतंत्र के इस पर्व में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते नजर आए। दोपहर तक मतदान की रफ्तार अच्छी रही। हालांकि तेज गर्मी के चलते कुछ समय के लिए गिरावट आई लेकिन सायं होते-होते फिर से मतदान में तेजी आ गई। चुनाव से पहले करीब दो सप्ताह तक गांव में चुनावी माहौल बना रहा। दोनों प्रत्याशियों और उनके समर्थकों ने घर-घर जाकर जनसंपर्क किया और मतदाताओं से अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की। इस दौरान गांव में कई बैठकों का आयोजन हुआ जिनमें विकास कार्यों और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गई। प्रशासन की ओर से चुनाव को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए थे। ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में एसडीओ दीपक कुमार मौके पर मौजूद रहे। सुपरवाइजर के तौर पर नगर पालिका सचिव प्रशांत पाराशर ने व्यवस्थाओं की निगरानी की। वहीं थाना प्रभारी सज्जन सिंह ने पुलिस बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था संभाली। डीएसपी सुरेश कुमार ने भी मतदान केंद्र का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मतदाताओं की सुविधा के लिए मतदान केंद्र पर पेयजल,पंखे और कूलर की व्यवस्था की गई थी जिससे गर्मी में भी लोगों को राहत मिली। मतदान केंद्र के बाहर दोनों प्रत्याशियों के समर्थक मौजूद रहे, लेकिन सभी ने आचार संहिता का पालन करते हुए शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखा।

मंडी अटेली। फतेहपुर में पंचायत चुनाव में सुरक्षा व्यवस्थाओं को जायजा लेते डीएसपी सुरेश कुमार। चुनाव परिणाम के बाद सीमा यादव महिलाओं के साथ खुशी जाहिर करती हुई। फोटो : हरिभूमि

परिणाम के बाद खुशी का माहौल

परिणाम घोषित होते ही समर्थकों में खुशी का माहौल बन गया। गांव में मिठाइयां बांटी गईं और लोगों ने एक-दूसरे को बधाई दी। वहीं सुमन के समर्थकों में हल्की निराशा जरूर रही, लेकिन उन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रिया का सम्मान करते हुए विजेता को शुभकामनाएं दीं।

भारी संख्या में हुआ मतदान

ग्रामीणों ने भी इस चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष बताते हुए प्रशासन की व्यवस्थाओं की सराहना की। लोगों का कहना है कि भारी संख्या में मतदान कर ग्रामीणों ने लोकतंत्र के प्रति अपनी जागरूकता और जिम्मेदारी का परिचय दिया है। यह चुनाव एक बार फिर साबित करता है

बिना भेदभाव के होंगे विकास कार्य

जीत के बाद नवनिर्वाचित सरपंच सीमा ने कहा कि वह गांव के विकास को प्राथमिकता देंगी और बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों के लिए काम करेंगी। सड़क, पेयजल, सफाई और शिक्षा जैसे बुनियादी मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

शांतिपूर्वक हुआ नपा वार्ड 14 का उपचुनाव

कनीना। नगर पालिका के वार्ड नंबर 14 में रविवार को उपचुनाव की प्रक्रिया शांतिपूर्ण और सुरक्षा के कड़े पहरों के बीच शुरू हो गई है। चुनाव के आरओ एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह, एआरओ अर्जुनलाल के अलावा डीएसपी डॉ. कविता ने मतदान केंद्र पर नजर बनाए रखी। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह से ही मतदान केंद्र पितामह कानसिंह धर्मशाला में सुरक्षा व्यवस्था चाक चैबंद नजर दिखाई दी। प्रशासन ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस कर्मचारी तैनात किए हुए थे। वरिष्ठ अधिकारियों ने स्वयं मोर्चा संभालते हुए सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। मतदान के प्रारंभिक दौर में कुछ तनातनी दिखाई दी, लेकिन बाद में व्यवस्था दुरूस्त कर दी गई। वार्ड नंबर 14 में कुल 670 पंजीकृत मतदाता हैं, लेकिन छह प्रत्याशियों में से त्रिकोणीय मुकाबले के आसार दिखाई देने लगे हैं। सुबह आठ बजे से ही मतदाताओं में खासा उत्साह देखा गया।

खबर संक्षेप

नि:शुल्क शिविर में 46 रोगियों ने लिया लाभ

कनीना। सेवा भारती कनीना की ओर से रविवार को कनीना मंडी स्थित लाला शिवलाल धर्मशाला में नि:शुल्क चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. मनीष वर्मा व सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉ. हर्ष ने अपनी टीम के साथ मिलकर कुल 46 लोगों की स्वास्थ्य जांच कर दवा वितरित की। डॉ. हर्ष कुमार ने उपस्थितजनों को संतुलित आहार व स्वस्थ जीवन शैली अपनाने पर जोर दिया। सेवा भारती के पदाधिकारियों ने कहा कि संस्था आमजन की सेवा के लिए कार्यरत है। इस मौके पर सुरेश शर्मा, नवीन अग्रवाल, सचिव श्यामसुंदर, कोषाध्यक्ष अमित सिंघल, प्रचार प्रमुख योगेश अग्रवाल, जगदीश चंद्र, दिनेश, सुरेंद्र शर्मा, रविदत्त शर्मा आदि उपस्थित थे।

जिला न्यायाधीश ने बव्वा में रखी मंदिर की नींव

कनीना। गांव बव्वा स्थित प्राचीन शीतला माता मंदिर परिसर में राधा कृष्ण मंदिर के नवनिर्माण की दिशा में रविवार को एक ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया। झज्जर के जिला एवं सत्र न्यायाधीश राजकुमार यादव ने अपने पैतृक गांव पहुंचकर वैदिक मंत्रोच्चार और विधिविधान के साथ मंदिर की आधारशिला रखी। इस दौरान पूरा परिसर धार्मिक उद्घोष से भक्तिमय हो उठा। इस समारोह में श्रीमद्भागवत आश्रम दडौली के संत सर्पणानंद महाराज व हरिहर आश्रम बव्वा के महाराज कैलाश ने शिरकत की। संतों ने अपने संबोधन में कहा कि मंदिर समाज की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना के केंद्र तथा सनातन धर्म की नींव को मजबूत करने वाले होते हैं, जो लोक कल्याण का मार्ग प्रशस्त करते हैं। राजकुमार यादव ने मंदिर की आधारशिला रखते हुए कहा कि न्याय और धर्म एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

दो करोड़ 32 लाख से होगा झूक से पाथेड़ा सड़क निर्माण

महेंद्रगढ़। गांव झूक से पाथेड़ा सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास विधायक कंवर सिंह यादव ने नारियल फोड़कर और ग्रामीणों को लड्डू खिलाकर किया। इस दौरान ग्रामीणों ने विधायक का फूल-मालाओं से स्वागत किया। सड़क का निर्माण मार्केटिंग बोर्ड महेंद्रगढ़ द्वारा करवाया जाएगा। विधायक कंवर सिंह यादव ने बताया कि झूक से पाथेड़ा तक 3.50 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण 2 करोड़ 32 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा। यह सड़क 12 फुट चौड़ी बनाई जाएगी, जिससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर आवागमन सुविधा मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण कार्य लगभग तीन महीने में पूरा कर लिया जाएगा। विधायक ने कहा कि क्षेत्र में मजबूत और बेहतर सड़क नेटवर्क विकसित करना सरकार की प्राथमिकता है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आने-जाने में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

चार पुरुष और दो महिलाओं पर केस दर्ज

महेंद्रगढ़। थाना शहर पुलिस ने प्रवीण कुमार की शिकायत पर चार पुरुषों एवं दो महिलाओं के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। शिकायतकर्ता प्रवीण कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गांव माजरा खुर्द के पंचायत घर में एक मई को लगभग 12 बजे तहसीलदार महेंद्रगढ़ द्वारा करीब 15 एकड़ कृषि भूमि की एक वर्ष के लिए पट्टे पर दी जाने वाली बोली में हिस्सा लेने गया था। वहां मौजूद आरोपित परिवार को वह पहले से जानता था। प्रवीण कुमार के अनुसार, जब उसने बोली में संभावित बचत को लेकर पूछताछ की तो संदीप कुमार ने उससे अभद्र भाषा में बात की तथा तैश में आकर संदीप, सुनील तथा अन्य आरोपित दयानंद, संजीव, रीना और लाली ने कथित तौर पर जातिसूचक शब्द कहे और गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की।

हड़ताल के बीच मोबाइल टॉयलेट बदहाल

मंडी अटेली। नगर पालिका क्षेत्र में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का सबसे ज्यादा असर अब सार्वजनिक सुविधाओं पर देखने को मिल रहा है। शहर के नए बस स्टैंड और अन्य स्थानों पर लगाए गए मोबाइल टॉयलेट पूरी तरह बदहाल स्थिति में पहुंच चुके हैं। कई दिनों से सफाई नहीं होने के कारण इन टॉयलेटों के अंदर गंदगी का अंबार लग गया है। सीटें गंदी हो चुकी हैं पानी की व्यवस्था बाधित है और चारों ओर तेज बदबू फैल रही है। हालत यह है कि लोग मजबूरी में टॉयलेट का उपयोग तो कर रहे हैं, लेकिन बाहर निकलते ही प्रशासन को कोसते नजर आते हैं। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि टॉयलेटों की खराब स्थिति के कारण आसपास का माहौल भी प्रभावित हो रहा है। बदबू के चलते ग्राहकों का बैठना मुश्किल हो गया है, जिससे व्यापार पर भी असर पड़ रहा है।

वीएलडीए ने गलघोंटू टीकाकरण अभियान किया स्थगित

नारनौल। जिले के वीएलडीए की आपातकालीन बैठक रविवार को राजकीय पशु अस्पताल में हुई। जिसमें जिले के सभी वीएलडीए ने हिस्सा लिया। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान विक्रम सिंह ने की। इस अवसर पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि 11 मई से शुरू होने वाले टीकाकरण अभियान को मानक संचालन प्रकिया के अनुसार लागू नहीं किया गया है। एसोशिएशन के जिला प्रेस सचिव अत्तर सिंह ने बताया कि जब तक डाटा इंट्री आपरेटर, जरूरी आवश्यक संसाधन जैसे सूई, बुखार की गोलियां आदि जरूरी मात्रा में उपलब्ध नहीं कराई जाती, तब अभियान स्थगित रहेगा। उन्होंने कहा कि वैक्सिनेशन की आनलाइन इंट्री के लिए आधार व ओटीपी की अनिवार्यता सबसे बड़ी बाधा बनकर सामने खड़ी हो गई है।

बेजुबानों की प्यास बुझाने को उमड़े युवा 500 सकोरे लगाने का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

भीषण गर्मी व तपते सूरज के बीच जहां इंसान बेहाल है, वहीं बेजुबान पक्षियों और जानवरों के लिए दाने-पानी का संकट खड़ा हो गया है। इस समस्या को भांपते हुए युवा साथी ग्रुप हरियाणा व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा ने सराहनीय पहल शुरू की है। संस्था के सदस्यों ने क्षेत्र में सकोरे बांधकर न केवल बेजुबानों की प्यास बुझाने का बीड़ा उठाया, बल्कि समाज को जीव दया का एक नया संदेश भी दिया। संस्था के सक्रिय सदस्य गजानंद सैनी ने बताया कि यह अभियान पूरी तरह से सेवा भाव को समर्पित है। गजानंद ने जानकारी दी कि टीम ने इस वर्ष क्षेत्र में 500 सकोरे लगाने का लक्ष्य रखा है, ताकि ऊंचाइयों पर रहने वाले पक्षियों और आवारा पशुओं को पानी के लिए भटकना न पड़े। पूरी टीम एकजुट होकर इस लक्ष्य को प्राप्त करने में जुटी है। कार्यक्रम के दौरान नांगल चौधरी तहसील के सदस्य योगेश सैनी ने पर्यावरण व वन्यजीवों के बीच के अंतर्संबंधों पर प्रकाश डाला। योगेश सैनी ने कहा प्रकृति के जीवन चक्र को बनाए रखने के लिए हर जीव का जीवित रहना अनिवार्य है। संस्था के सदस्यों ने स्थानीय निवासियों से भी अपील की है कि वे अपने घरों की छतों, आंगन व सार्वजनिक स्थानों पर पक्षियों के लिए दाना-पानी जरूर रखें। इस अभियान में योगेश सैनी, नरेंद्र, विवेक, अर्पित, रविन्द्र सैनी, पंकज, अमित, दीपक, कमल आदि अहम भूमिका निभा रहे है।

पक्षियों के लिए सकोरे रखते युवा।

खेल सुविधाओं के लिए सांसद ने लिखा पत्र

महेंद्रगढ़। जिले मे विभिन्न खेल सुविधाओं की बढ़ोतरी के लिए सांसद धर्मबीर सिंह ने प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि मुख्यमंत्री को लिखे अपने पत्र मे सांसद ने मांग की है कि जिला महेन्द्रगढ़ में छह राजीव गांधी खेल परिसर हैं। इन सभी में एथलेटिक्स, बाक्सिंग, वालीबॉल एवं कबड्डी की खेल नर्सरी शुरू की जाए। ऐसा करने से इन खेल परिसरों में इन सभी खेलों के कोच नियुक्त किए जा सकेंगे। कोच के मार्गदर्शन में इन खेलों के खिलाडियों को सही कोचिंग मिल सकेगी तथा खिलाड़ी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ सकेंगे जिससे हरियाणा का नाम खेल के क्षेत्र में और भी आगे बढ़ेगा ।

गौड़ सभा ने उत्कृष्ट प्रतिभाओं को किया सम्मानित

नारनौल। श्री गौड़ ब्राह्मण सभा के तत्वावधान में रविवार को सभा भवन में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के उन लोगों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उच्च पद प्राप्त कर समाज और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। समारोह के दौरान सम्मानित व्यक्तियों के योगदान की सराहना करते हुए युवाओं को उनसे प्रेरणा लेने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती एवं भगवान परशुराम के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। इसके बाद सभा के प्रधान राकेश मेहता तथा अन्य पदाधिकारियों ने सम्मान समारोह की औपचारिक शुरुआत की। समारोह में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. जीएल शर्मा, डॉ. लावण्य शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी विश्वेश्वर कौशिक, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा, खंड शिक्षा अधिकारी पवन भारद्वाज तथा नगर पार्षद संजय शर्मा को शाल एवं स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया। राकेश मेहता ने कहा कि समाज की प्रतिभाओं और विशिष्ट व्यक्तित्वों का सम्मान करना गौरव की बात है।

कनीना में अवैध शराब बेचता आरोपित काबू

कनीना। थाना शहर पुलिस ने उपचुनाव के मद्देनजर की जा रही गश्त और चेकिंग के दौरान सफलता हासिल करते हुए अवैध शराब बरामद की है। इस कार्रवाई में एक आरोपित को काबू किया है, जिसकी पहचान प्रीतम निवासी करीरा के रूप में हुई है। थाना शहर पुलिस गणेशीलाल चौक पर कानून व्यवस्था और इलेक्शन ड्यूटी पर तैनात थी, तभी गुप्त सूचना मिली कि गाहड़ा रोड स्थित शराब के ठेके के पास एक चाय की दुकान में अवैध रूप से शराब बेची जा रही है। इस सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस को अपनी तरफ आता देखकर चाय की दुकान पर बैठा व्यक्ति घबरा गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

आपराधिक गतिविधियों पर पुलिस का एक्शन, दो दिन में 30 आरोपी गिरफ्तार

अधिकारी बेवजह लंबित न रखें आपराधिक मामले : एसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

पुलिस अधीक्षक के सख्त निर्देशों में पुलिस आपराधिक और अवैध गतिविधियों में संलिप्त आरोपितों के खिलाफ लगातार कड़ी कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पिछले दो दिनों में विभिन्न थानों में दर्ज मामलों में कुल 30 आरोपितों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। यह गिरफ्तारियां जिले के विभिन्न थानों की पुलिस टीमों की ओर से की गई हैं। पुलिस की ओर से गिरफ्तार किए गए ये आरोपित मादक पदार्थ अधिनियम, दंगा फसाद करने, मारपीट कर गंभीर चोट पहुंचाने, आपराधिक अतिचार, आपराधिक धमकी देने, लापरवाही से वाहन चलाने व अदालत में गैर हाजिर रहने जैसे विभिन्न मामलों में संलिप्त थे। पुलिस की कार्रवाई के तहत जिले में कई महत्वपूर्ण गिरफ्तारियां की गई। पुलिस की ओर से एनडीपीएस एक्ट, एक्साइज एक्ट, मारपीट और गंभीर चोट पहुंचाने, आपराधिक अतिचार, धमकी देने, चोट पहुंचाने और लापरवाही से वाहन चलाने व अन्य मामलों में कार्रवाई करते हुए दो दिन में 30 आरोपितों को दबोचा है।

जिले में शांति व्यवस्था है प्राथमिकता

अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और न्याय प्रक्रिया को तेज करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक ने जिले के सभी थाना प्रबंधकों, चौकी इंचार्जों व जांच अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने सभी पुलिस अधिकारियों को स्पष्ट किया है कि किसी भी आपराधिक मामले को बेवजह लंबित न रखा जाए। सभी अधिकारी नियमानुसार आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए दर्ज मामलों का निर्धारित समय सीमा के भीतर निपटारा करना सुनिश्चित करें, ताकि अपराधियों को जल्द से जल्द सजा दिलाई जा सके और जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनी रहे।

अवैध देसी कट्टे व 2 जिंदा कारतूस के साथ आरोपित काबू

पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए सीआईए ने एक आरोपित को देसी कट्टे और जिंदा कारतूस सहित काबू करने में सफलता हासिल की है। जानकारी के अनुसार नौ मई की रात गश्त के दौरान सीआईए नसीबपुर बस अड्डे के पास मौजूद थी, तभी गुप्त सूचना मिली कि एक संदिग्ध रामनगर कॉलोनी के सामने नहर के पास कच्ची सड़क पर अवैध हथियार लिए किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में खड़ा है। सूचना को पुख्ता मानकर पुलिस ने रेडिंग पार्टी तैयार की और बताई गई जगह पर दबिश दी। पुलिस टीम को देखकर संदिग्ध ने तेज कदमों से भागने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए उसे काबू कर लिया। पूछताछ और जांच में सामने आया कि काबू किया गया संदिग्ध एक नाबालिग है। जब पुलिस की ओंर से नियमानुसार उसकी तलाशी ली गई, तो उसकी पहनी हुई पैंट से एक देसी कट्टा व दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। इनमें से एक कारतूस कट्टे के अंदर लोड था और दूसरा उसकी जेब से मिला। पुलिस ने मौके पर अवैध हथियार को सील कर अपने कब्जे में ले लिया। इस संबंध में आरोपित के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत थाना शहर में मामला दर्ज किया गया।